गरवी गुजरात

TITLE CODE:- UPHIN51504

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 220
दि. 11.12.2025,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस, गाजा शांति पर बड़ा अपडेट... प्रधानमंत्री मोदी ने इजरायल के पीएम नेतन्याहू से फोन पर की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फोन पर अहम बातचीत की। दोनों नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने का संकल्प लिया।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आज फोन पर अहम बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत और इजराइल के बीच रणनीतिक साझेदारी में हो रही प्रगति पर खुशी जताई। दोनों देशों ने अपने आपसी रिश्तों को और मजबूत करने का वादा किया। दोनों ने आतंकवाद की कड़ी निंदा की और कहा कि वे किसी भी तरह के आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर भी बात की।

पीएम मोदी ने क्षेत्र में शांति और न्याय के प्रयासों के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि की, जिसमें गाजा शांति योजना को जल्द से जल्द लागू

करना भी शामिल है। दोनों नेता आगे भी संपर्क में रहने पर सहमत हुए। यह बातचीत दोनों देशों के बीच बढ़ते रिश्तों को दिखाती है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने की बात कही। उन्होंने साफ कहा कि वे किसी भी तरह के आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण संदेश है जो दुनिया को भेजा गया है।

एक-दूसरे के संपर्क में रहने का फैसला

इसके अलावा, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में चल रही घटनाओं पर भी अपने विचार साझा किए। पीएम मोदी ने इस क्षेत्र में शांति स्थापित करने के प्रयासों का समर्थन किया। उन्होंने खास तौर पर गाजा शांति योजना को जल्द से जल्द लागू करने की बात कही। यह दिखाता है कि भारत शांतिपूर्ण समाधान चाहता है और इस दिशा में सक्रिय है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने भविष्य में भी एक-दूसरे के संपर्क में रहने का फैसला किया। यह दशार्ता है कि दोनों देश अपने द्विपक्षीय संबंधों को और बेहतर बनाना चाहते हैं और मिलकर काम करना चाहते हैं।

सीएम ने गोरखपुर में दो रैन बसेरों का किया निरीक्षण, बोले- जरूरतमंद को शीतलहर से बचाने को सरकार प्रतिबद्ध

गोरखपुर (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में रेलवे स्टेशन व झूलेलाल मंदिर के पास बने रैन बसेरों का औचक निरीक्षण किया। वहां ठहरे लोगों से आत्मीय संवाद किया और स्वयं कंबल-भोजन वितरित किया। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि कोई भी व्यक्ति खुले में न सोए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हर जरूरतमंद को शीतलहर से बचाने और सम्मानजनक आश्रय देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इसके लिए जहां रैन बसेरों को पूरी क्षमता के साथ संचालित किया जा रहा है, वहीं

तहसीलों और नगर निकायों को जरूरतमंदों में ऊनी वस्त्र एवं कंबल वितरण और अलाव की व्यवस्था के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है।

सीएम योगी बुधवार देर शाम/रात गोरखपुर महानगर में दो रैन बसेरों का निरीक्षण करने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर जरूरतमंद को रैन बसेरों में अच्छी सुविधा दी जाए। प्रशासन को इसे प्राथमिकता पर लेते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी रैन बसेरों में पर्याप्त संख्या में बिस्तर व कंबल का इंतजाम हो।

राष्ट्रपति 11 से 12 दिसंबर तक मणिपुर का दौरा करेंगी

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 11 और 12 दिसंबर, 2025 को मणिपुर का दौरा करेंगी। 11 दिसंबर को मणिपुर की राजधानी इम्फाल पहुंचने पर राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। इसके बाद वे ऐतिहासिक मापल कांगजेइबुंग में पोलो प्रदर्शनी मैच देखने जाएंगी। उसी शाम, मणिपुर सरकार की ओर से इम्फाल के सिटी कन्वेंशन सेंटर में उनके सम्मान में आयोजित एक नागरिक स्वागत समारोह में राष्ट्रपति शामिल होंगी।

इस अवसर पर वे विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगी और उनका उद्घाटन करेंगी।

12 दिसंबर को राष्ट्रपति इम्फाल स्थित नुपी लाल स्मारक परिसर का दौरा करेंगी और मणिपुर की वीर महिला योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। बाद में, वे सेनापति में एक जनसभा को संबोधित करेंगी, जिसमें वे जिले के लिए विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगी और उनका उद्घाटन करेंगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एचएसवीपी और विभिन्न महानगरीय विकास प्राधिकरणों को ईडीसी फंड से 1700 करोड़ रुपये की राशि जारी की

(जीएनएस)।

हरियाणा सरकार ने शहरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण और कई महानगर विकास प्राधिकरणों को एऊ फंड से 1,700 करोड़ रुपये जारी किए हैं, इससे पहले 1,500 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। यह कदम प्रमुख शहरों में शहरी विकास के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

हरियाणा सरकार ने शहरी विकास को सुदृढ़ करने और राज्य के प्रमुख शहरी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा सुधार को गति देने के उद्देश्य से हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण और विभिन्न महानगरीय विकास प्राधिकरणों को 1700 करोड़ रुपये की राशि जारी की है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिविल सचिवालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार शहरी विकास को उच्च प्राथमिकता देते हुए

रियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ में पत्रकारों को सम्बोधित करते हु
ध में हैं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा और राजस्व एवं आपदा प्रबं
भाग और वित्तायुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा। (10.12.2025)

नागरिकों को विश्वस्तरीय अवसंरचना उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के बजट अभिभाषण में बाहरी विकास कार्यों के लिए ईडीसी फंड से 3,000 करोड़ रुपये हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण तथा गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत, पंचकूला और हिसार के विकास प्राधिकरणों को आवंटित किए जाने की घोषणा की गई थी। उन्होंने कहा कि बजट घोषणा को मूर्तरूप देते हुए नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने ईडीसी फंड के प्रभावी उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि वित्त वर्ष 2025-26 में ईडीसी फंड से विभिन्न महानगरीय विकास प्राधिकरणों को 1500 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं। इसके अलावा, आज विभिन्न शहरी एस्टेट्स में विकास कार्यों के लिए कुल 1700 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने यूनेस्को द्वारा दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किए जाने का स्वागत किया

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल करने के यूनेस्को के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह वैश्विक मान्यता प्रत्येक भारतीय के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है।

सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में उपराष्ट्रपति ने कहा कि दीपावली केवल एक त्यौहार नहीं है, बल्कि एक सभ्यतागत परंपरा है जो राष्ट्र को एकजुट करती है और विश्व भर में गूंजती है। उन्होंने कहा कि यह पर्व भारत की बहुसंस्कृतिवाद, विविधता और सामाजिक एकता का प्रतीक है, साथ ही आशा, सद्भाव और अंधकार पर प्रकाश तथा अधर्म पर धर्म की विजय का शाश्वत संदेश भी देता है।

'ग्रीन गुजरात, विकसित गुजरात': पिछले 3 वर्ष में 1.04 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र में बुवाई कार्य किया गया

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 10 दिसंबर : आगामी 12 दिसंबर को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के सुशासन के तीन वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार 'ग्रीन गुजरात, विकसित गुजरात' के संकल्प को साकार करने की दिशा में कार्यरत है। पिछले 3 वर्ष में गुजरात ने पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए ग्रीन कवर बढ़ाने के लिए व्यापक पैमाने पर बुवाई एवं पुनर्वनीकरण किया है। सस्टेनेबल डेवलपमेंट का यह विशिष्ट मॉडल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत@2047 के विजन के अनुरूप है।

पिछले तीन वर्ष में गुजरात ने पर्यावरण संरक्षण तथा हरितावरण बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसमें एक उल्लेखनीय प्रयास वन क्षेत्र में बुवाई बढ़ाना है। वन विभाग द्वारा वन क्षेत्र में कुल 1,04,270 हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई की गई है। इतना ही नहीं; केन्द्र सरकार की 'मिष्टी' योजना के क्रियान्वयन में भी गुजरात अग्रसर राज्य है।

'मिष्टी' योजना अंतर्गत गुजरात में 34,242 हेक्टेयर क्षेत्र में हुई मैंग्रोव की बुवाई

मैंग्रोव इनिशिएटिव फॉर शोरलाइन हैबिटेट एंड टेंजिबल इनकम (मिष्टी) योजना अंतर्गत समुद्र तट पर मैंग्रोव वन सृष्टि का विस्तार करते हुए कुल 34,242 हेक्टेयर क्षेत्र में मैंग्रोव की बुवाई की गई है। 'मिष्टी' योजना केन्द्र सरकार ने 5 जून, 2023 को तटवर्ती राज्यों में मैंग्रोव इकोसिस्टम को पुनर्जीवित करने के लिए शुरू की थी; जिसका मुख्य उद्देश्य मैंग्रोव बुवाई, मैंग्रोव क्षेत्र की वैज्ञानिक मैपिंग, नर्सरी विकास, हाइड्रोलॉजी-भौगोलिक स्थिति का मूल्यांकन, जन जागृति, प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा इको-टूरिज्म को प्रोत्साहन देकर तटीय पर्यावरण का संरक्षण करना है।

पिछले तीन वर्ष में स्थानीय आदिवासी समुदायों को कुल 158 लाख बाँस का वितरण

राज्य सरकार ने परंपरागत घास-चारे की पुनर्स्थापना तथा वनाधारित जीवन को समर्थन देने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। पिछले 3 वर्ष में कच्छ के बन्नी क्षेत्र में कुल 5,000 हेक्टेयर में घास-चारे की बुवाई करके विभागीय घास-चारा संग्रह के अलावा अनुमानित 52.52 लाख किलोग्राम घास-चारे का स्थानीय लोगों को वितरण किया गया है। इसके अतिरिक्त; राज्य में पिछले तीन वर्ष में स्थानीय आदिवासी समुदायों को कुल 158 लाख बाँस का वितरण किया गया है।

सामाजिक वनीकरण योजना : पिछले 3 वर्ष में 10,213 हेक्टेयर क्षेत्र में विभागीय बुवाई पूर्ण

वन विभाग द्वारा वन क्षेत्र में वनावरण बढ़ाने के लिए पिछले 3 वर्ष में कुल 1,04,270 हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई कार्य किया गया है, जबकि वन क्षेत्र से बाहर हरितावरण बढ़ाने के लिए सामाजिक वनीकरण योजना अंतर्गत पिछले 3 वर्ष में कुल 10,213 हेक्टेयर क्षेत्र में विभागीय बुवाई कार्य किया गया है। इसके अलावा; राज्य के किसानों को वन विभाग की विभिन्न सहायता योजनाओं के तहत प्रोत्साहन दिया गया है, जिसके कारण पिछले तीन वर्ष में किसानों द्वारा 1,09,425.60 हेक्टेयर क्षेत्र में पेड़-पौधे लगाए गए हैं।

भावी पीढ़ियों के लिए हरित भविष्य का निर्माण करने का गुजरात का दृढ़ संकल्प

ग्रीन कवर पर्यावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वह जलवायु स्थिरता, भूमि की उत्पादन क्षमता बढ़ाने, जैवविविधता बनाए रखने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायता करता है। विशेषकर मैंग्रोव समुद्री जीव सृष्टि को समर्थन देने, समुद्र तट को स्थिर रखने और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दुष्प्रभाव कम करने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। गुजरात दीर्घकालीन विकास को ध्यान में रखकर पर्यावरण को संरक्षित रखने एवं भावी पीढ़ियों के लिए टिकाऊ हरित भविष्य बनाने को प्रतिबद्ध है। पर्यावरण जतन के लिए राज्य सरकार द्वारा वन एवं पर्यावरण विभाग के लिए 2025-26 के बजट में कुल 3,140 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज लोक सभा में चुनाव सुधारों पर हुई चर्चा में भाग लिया

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज लोक सभा में चुनाव सुधारों पर हुई चर्चा में भाग लिया।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि संसद देश की चर्चा की सबसे बड़ी पंचायत है और हम चर्चा से कभी नहीं भागते। उन्होंने कहा कि कोई भी मुद्दा हो संसद के नियमों के अनुसार हम हमेशा चर्चा के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष गहन पुनरीक्षण या रक्फ़के नाम पर चर्चा चाहता था लेकिन इस विषय पर इस सदन में चर्चा नहीं हो सकती क्योंकि गहन पुनरीक्षण की ज़िम्मेदारी चुनाव आयोग की है और आयोग सरकार के तहत काम नहीं करता है। श्री शाह ने कहा कि चुनाव सुधारों पर चर्चा होनी तय हुई थी लेकिन विपक्ष के अधिकतर सदस्यों ने रक्फ़पर चर्चा की।

श्री अमित शाह ने कहा कि रक्फ़पर चार महीने से एकतरफा झूठ फैलाया जा रहा है और देश की जनता को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के संविधान के अनुच्छेदों से चुनाव आयोग की रचना हुई और चुनाव आयोग एक प्रकार से संवैधानिक संस्था है। संविधान ने फ्री एंड फेयर चुनाव कराने की ज़िम्मेदारी चुनाव आयोग की तय की है, मतदाता सूची बनाने और उसमें सुधार की ज़िम्मेदारी भी चुनाव आयोग की है। उन्होंने कहा कि संविधान के भाग 15 में अनुच्छेद 324 में चुनाव आयोग के गठन, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, लोक सभा, राज्य सभा, विधान सभा, उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति के चुनावों का संपूर्ण नियंत्रण संविधान ने चुनाव आयुक्त को दिया है। श्री शाह ने कहा कि अनुच्छेद 325 यह प्रावधान करता है कि किसी भी पात्र मतदाता को मतदाता सूची से बाहर नहीं रखा जा सकता, लेकिन 326 एक गहन पुनरीक्षण के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। मतदाता की पात्रता, योग्यता और मतदाता होने की शर्तें अनुच्छेद 326 में तय की गई हैं। उन्होंने कहा कि सबसे पहली शर्त है कि मतदाता भारत का नागरिक होना चाहिए, विदेशी नहीं होना चाहिए। दूसरी शर्त है, 18 साल से अधिक आयु का व्यक्ति मतदाता बन सकता है और तीसरी शर्त है कि मतदाता की वैधता का निर्धारण मानसिक असमर्थता, अपराध और भ्रष्टाचार में संलिप्तता के लिए कानून द्वारा समय समय पर तय कि गए प्रावधानों के आधार पर होता है। उन्होंने कहा कि इन तीन पात्रताओं के आधार पर भारत का मतदाता होने की बात तय होती है और यह तीनों चीजें चुनाव आयुक्त को देखनी हैं। गृह मंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 327 में मतदाता सूची, सीमांकन, चुनाव संचालन और उसके लिए कानून बनाने की सिफारिश की शक्ति चुनाव आयोग को दी गई हैं। अनुच्छेद 327 मतदाता सूची को इस व्याख्या के आधार पर बनाने का पूर्ण अधिकार चुनाव आयोग को देता है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमारे लोकतांत्रिक इतिहास की शुरूआत 1952 में हुई और सबसे पहला गहन पुनरीक्षण 1952 में हुआ, दूसरा 1957 में और तीसरा 1961 में हुआ तब विपक्षी पार्टी के प्रधानमंत्री थे। 1965 और 1966 में भी पुनरीक्षण हुआ उस समय भी विपक्षी दल के प्रधानमंत्री थे। फिर 1983-84, 1987-89 और 1992- 93-95 में हुआ तब भी मुख्य विपक्षी दल के नेता प्रधानमंत्री थे। श्री शाह ने कहा कि जब 2002-03 में पुनरीक्षण हुआ तब उनकी पार्टी के नेता प्रधानमंत्री थे। उन्होंने कहा कि 2004 में गहन पुनरीक्षण समाप्त हुआ। उन्होंने कहा कि 2004 के बाद सीधा 2025 में गहन पुनरीक्षण हो रहा है और इस पूरी प्रक्रिया का आज तक किसी भी दल ने विरोध नहीं किया है क्योंकि यह चुनावों को पवित्र रखने, चुनाव के उद्देश्यों और लोक तंत्र को पवित्र रखने की प्रक्रिया है। श्री शाह ने कहा कि लोकतंत्र में जिस आधार पर चुनाव पर होते हैं, वह मतदाता सूची ही अगर प्रदूषित है तो चुनाव कैसे साफ सुथरे हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि समय समय पर मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण जरूरी है इसीलिए चुनाव आयोग ने फैसला किया कि 2025 में इसे किया जाएगा।

श्री अमित शाह ने कहा कि 2010 में एक व्यवस्था की गई कि किसी का नाम मतदाता सूची में से नहीं काट सकते और उस समय भी मुख्य विपक्षी पार्टी की सरकार थी।

मृत्यु होने या दो जगह पर मतदाता होने पर नाम काटना, 18 वर्ष की आयु होने पर नाम जोड़ना और जो विदेशी नागरिक हैं, उन्हें चुन-चुन कर डिलीट करना ही गहन पुनरीक्षण है। उन्होंने कहा कि अगर देश के प्रधानमंत्री या राज्य का मुख्यमंत्री कौन हो, ये घुसपैठिए तय करेंगे तो क्या किसी भी देश का लोकतंत्र सुरक्षित रह सकता है। श्री शाह ने कहा कि एक मतदाता का एक से अधिक जगह पर वोट नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्फ़ सिर्फ मतदाता सूची का शुद्धिकरण है लेकिन इससे कुछ दलों के राजनीतिक स्वार्थ आहत होते हैं। श्री शाह ने कहा कि इस देश की संसद या राज्य की विधानसभा को चुनने के लिए विदेशी को वोट देने का अधिकार नहीं देना चाहिए।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची में सुधार करने की प्रक्रिया ही है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची पुरानी हो या नई, विपक्ष का हारना तय है, ये मतदाता सूची से नहीं होता है। एंटी-इन्कंबेंसी का सामना उन्हें करना पड़ता है जो जनहित के विरुद्ध काम करते हैं। श्री शाह ने कहा कि जब हम चुनाव हारते हैं तब विपक्ष मतदाता सूची का विरोध नहीं करता है, लेकिन जब हाल में हुए एक राज्य की तरह भारी हार मिलती है तब मतदाता सूची का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि जब आप जीतते हो तो चुनाव आयोग महान है, जब हारते हो तब चुनाव आयोग पर आरोप लगते हैं। जब आप जीतते हो तो मतदाता सूची अच्छी है, जब आप हारते हो तब मतदाता सूची खराब है, लेकिन इस प्रकार का दोहरा मापदंड लोकतंत्र में नहीं चल सकता। श्री शाह ने कहा कि हमारे यहां कुछ परिवार ऐसे हैं जो पुश्तैनी वोट चोरी करते हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि हम भी विपक्ष में बैठे हैं। उन्होंने कहा कि चाहे राज्य हो या केन्द्र, हमने चुनाव आयोग और चुनाव आयुक्त पर कभी आरोप नहीं लगाए। श्री शाह ने कहा कि चुनाव आयोग तटस्थता से चुनाव कराने वाला संस्थान है और इसे किसी राजनैतिक पार्टी नहीं बल्कि संविधान से मान्यता प्राप्त है। उन्होंने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण एक संवैधानिक प्रक्रिया है, और संवैधानिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर और अनर्गल आरोप लगाकर विपक्ष पूरी दुनिया में चुनाव आयोग की छवि धूमिल करने का काम कर रहा है।

सम्पादकीय

विपक्ष का फंडा आरोप लगाने से मतलब है!

लोकसभा में मंगलवार को चुनाव सुधार पर चर्चा निर्धारित समय से शुरू हुई तो विपक्ष ने एसआईआर और ईवीएम पर हमले शुरू कर दिए जबकि सत्तापक्ष ने साफतौर पर बिजनेस कमेटी में ही कह दिया था चुनाव आयोग के ाढियाकलाप पर कोई चर्चा नहीं हो सकती। यही कारण है कि जब विपक्ष ने एसआईआर पर चर्चा की मांग की तो सरकार ने इस चर्चा का नाम चुनाव सुधार रख दिया। दरअसल बहस शुरू होते ही सत्तारूढ़ जनतांत्रिक गठबंधन यानि एनडीए के दोनों बड़े सहयोगियों जेडीयू और टीडीपी ने कांग्रेस पर निर्वाचन आयोग की उपलब्धियों को स्वीकारने और उसमें सुधार के लिए सुझाव देने के बजाए आयोग और उसकी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद पर निशाना साधने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री और जद (यू) के नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह ने चुनाव सुधारों पर सदन में जारी विशेष चर्चा में भाग लेते हुए भारत की चुनाव प्रणाली को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ चुनाव प्रणाली बताया किन्तु साथ ही यह भी दावा किया कि इसमें सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है।

सच तो यह है कि सुधार का मतलब ही सतत प्राढिया से होता है। कोई भी प्राढिया ऐसी नहीं है जिसे व्यावहारिक बनाए जाने के लिए सुधारा न जा सके। ललन सिंह कुछ ज्यादा ही बोल गए। इससे सुधार की अनन्त संभावनाओं को सीमित करने का जो उन्होंने दावा किया वह नहीं होना चाहिए। यह भाव कदापि सकारात्मक नहीं कहा जा सकता कि ह्णअब सुधार की गुंजाइश ही नहीं है।" किन्तु एक बात पर गौर करने की यह है कि विपक्ष को हर सुधार पर एतराज है। पहले कई वर्षों तक ईवीएम को धोखाधड़ी बताकर भ्रमित करने का सिलसिला चलाने का प्रयास किया गया किन्तु जब चुनाव आयोग ने राजनेताओं को आमंत्रित किया कि वह ईवीएम को हैक करके दिखाएं तो कोई भी नहीं पहुंचा। इसलिए विपक्ष के आरोपों की हकीकत अब खुलकर सामने आ गई है। उन्हें आरोप लगाने से मतलब है क्योंकि लोकतंत्र में विपक्ष के नेताओं को आरोप लगाने का अधिकार है, न कि उन्हें सिद्ध करने का और उन्हें अपने कर्तव्यों का बोध नहीं है। रही बात एसआईआर की तो यदि राज्य सरकारें अपने-अपने राज्यों में घुसपैठियों को आवश्यक अनाधिकृत रूप से दस्तावेज तैयार कराने से रोकते तो एसआईआर की जरूरत ही नहीं पड़ती। हैरानी की बात तो यह है कि विपक्ष की कुछ पार्टियां एसआईआर के कारण अपने वोटर घुसपैठियों में भगदड़ मच जाने से भयभीत हैं। बहरहाल संवैधानिक संस्था होने के कारण चुनाव आयोग का कर्तव्य है कि वह राजनीतिक पार्टियों के संदेहों एवं आरोपों के प्रति संवेदनशील हों किन्तु साथ ही राजनीतिक पार्टियों का भी दायित्व है कि वे जब तक प्रमाण न हो तब तक अनर्गल आरोप मात्र अपनी राजनीतिक सुरक्षा कवच के लिए न लगाएं। रही बात संसद में चुनाव सुधार के बारे में चर्चा की बात तो कोई भी समाज जो निरन्तर किसी प्रणाली के विकास में आगे बढ़ रहा हो, वह किसी भी हालत में उसे समेट कर बैलट पेपर युग में नहीं जा सकता।

पुतिन की पीठ में शी जिनपिंग ने घोंपा खंजर! दबोच रहे रूस की जमीन, नक्शे में रूसी इलाके को बताया अपना

(जीएनएस)।

चीन अक्सर भारत के अरुणाचल प्रदेश को अपना बताता रहता है। यहां तक कि उसने अपने नक्शे में भी अरुणाचल को शामिल किया है। लेकिन उनसी इस कब्जे वाली नीति से सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि अब रूस के लिए भी मुश्किलें खड़ी होने वाली हैं। दरअसल चीन ने रूस के कुछ इलाकों को अपने नक्शे में दिखाया है। जिसको लेकर फिर से एक नई बहस शुरू हो गई है।

यही वजह है कि दुनिया की सबसे लंबी सीमा पर चीनी अतिक्रमण की आशंका तेज हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि बीजिंग और मॉस्को ग्लोबल मंच पर "असीमित साझेदार" दिखते हैं, लेकिन अंदर से रिश्ते उतने सरल नहीं हैं जितने नजर आते हैं।

आधिकारिक चीनी नक्शों में बड़ा बदलाव

2023 में चीन के पर्यावरण मंत्रालय ने नए आधिकारिक नक्शों में रूस के कुछ शहरों-जैसे व्लादिवोस्तोक-को उनके चीनी नामों से दिखाने का आदेश दिया। इसके अलावा, अमूर और उस्सूरी नदियों के बीच स्थित वह विवादित द्वीप, जिस पर 2008 में समझौता हो गया था, उसे चीन ने नक्शे में पूरी तरह अपना क्षेत्र दिखा दिया।

चीनी किसानों की बढ़ती जमीन खरीद से रूस चिंतित

सीमा के दोनों ओर चीनी किसानों द्वारा बड़े पैमाने पर जमीन खरीदने और लंबे समय की लीज लेने की घटनाएँ भी रूस की बेचैनी बढ़ा रही हैं। इसी बीच चीन के राष्ट्रवादी खुले तौर पर 19वीं सदी में किंग राजवंश द्वारा रूस को जबरन सौंपे गए क्षेत्रों को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। हालांकि बीजिंग ने इन मांगों की पुष्टि नहीं की है।

बीजिंग का बयान और पुतिन-शी की दोस्ती

चीन इन बदलावों को कम महत्व देता है और कहता है कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ उसका रिश्ता बेहद महत्वपूर्ण है। जून में तियानमेन स्क्वायर में हुई 'वी-डे' परेड में पुतिन को शी जिनपिंग के ठीक बगल में सम्मानित स्थान दिया गया था-जो दोनों देशों की सार्वजनिक दोस्ती को दशार्ता है।

रूस की अर्थव्यवस्था को चीन का सहारा

यूक्रेन पर रूस के फुल-स्केल आक्रमण और भारी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बाद चीन उसका सबसे बड़ा सपोर्ट बनकर उभरा है। चीन आज रूस का नंबर-वन गैस और तेल खरीदार है। इसके चलते रूस की वॉर इकोनॉमी चलती रही है। बदले में, रूस को चीन के साथ रिकॉर्ड स्तर का व्यापार मिला है और उसने SWIFT के विकल्प के तौर पर चीनी युआन को अपनाया है।

अमेरिका के खिलाफ चीन-रूस का बढ़ता गठजोड़

कूटनीतिक रूप से दोनों देश अमेरिका के वर्चस्व के खिलाफ एक मजबूत धुरी बनाते जा रहे हैं।

प्रशांत क्षेत्र में उनके संयुक्त सैन्य अभ्यासों को अमेरिका और उसके सहयोगी अपनी सैन्य मौजूदगी के लिए सीधे चुनौती मानते हैं।

रूस के अंदर डर

रूस में एक चिंता तेजी से बढ़ रही है-कि कहीं वह चीन की तुलना में "जूनियर पार्टनर" न बन जाए। क्रेमलिन से जुड़े कुछ लोगों ने चेतावनी दी है कि चीन पर अत्यधिक निर्भरता भविष्य में उलटा भी पड़ सकती है।

लीक हुए दस्तावेजों में खुलासे

एक न्यूयॉर्क टाइम्स रिपोर्ट-जो रूसी खुफिया विभाग से लीक दस्तावेजों पर आधारित थी-ने चीन के बढ़ते प्रभाव से जुड़े डर को सामने लाया। रिपोर्ट में दावा था कि चीनी एजेंट, चीनी पत्नियों वाले रूसी नागरिकों की भर्ती कर रहे हैं, और चीन से लौटने वाले रूसी एजेंटों से पॉलीग्राफ टेस्ट कराए जा रहे हैं। यह दोनों देशों के बीच अविश्वास की एक परत को दशार्ता है।

चीन की "धीमी लेकिन स्थिर" रणनीति

हडसन इंस्टीट्यूट के एशिया-प्रशांत विशेषज्ञ पैट्रिक क्रोनिन कहते हैं कि शी जिनपिंग रूस को अमेरिका के बाद की विश्व व्यवस्था में एक "महत्वपूर्ण रणनीतिक साथी" मानते हैं। उनके मुताबिक, परेड, संयुक्त अभ्यास और एकजुटता के दिखावे वास्तविकता को छुपाते हैं-जहाँ चीन धीरे-धीरे अपनी रणनीतिक पकड़ मजबूत कर रहा है, खासकर साइबर गतिविधियों और सीमाई क्षेत्रों में।

नीतीश का 'मास्टरस्ट्रोक' तैयार! भाजपा को पछाड़ जेडीयू बन जाएगी 'सबसे बड़ी पार्टी', समझिए गेम प्लान

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में एक बार फिर बड़े 'खेला' की अटकलें तेज हो गई हैं। क्या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी पार्टी खउ्व को विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी बनाने की तैयारी में हैं, जिससे वह BJP को पछाड़ सकें?

इसकी शुरूआत तब हुई जब असदुद्दीन ओवैसी की AIMIM के तीन विधायकों ने सोमवार को नीतीश कुमार से मुलाकात की, और विधायक मो. मुर्शीद आलम ने CM को अपना 'राजनीतिक गुरु' बता दिया। विधानसभा अध्यक्ष का पद इखढ के पास जाने के बाद, माना जा रहा है कि नीतीश कुमार अब दूसरे समीकरणों के जरिए सरकार पर अपनी पकड़ मजबूत रखना चाहते हैं।

ओवैसी के 5 में 3 विधायकों ने नीतीश कुमार से की मुलाकात

असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी अक्टक्ट को बड़ा झटका देते हुए, उसके तीन विधायकों ने सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। इस मुलाकात से बिहार की राजनीति में बड़ी हलचल मच गई और

पार्टी में टूट की अटकलें तेज हो गईं। इन विधायकों के पाला बदलने की चर्चा के बीच, विधायक मो. मुर्शीद आलम ने बाहर आकर नीतीश कुमार को अपना 'राजनीतिक गुरु' बता दिया, जिससे राजनीतिक माहौल और गरमा गया।

क्यों AIMIM के विधायक बन सकते हैं JDU की सबसे बड़ी ताकत?

जनता दल यूनाइटेड (JDU) द्वारा AIMIM विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल कराने के पीछे मुख्य रूप से विधानसभा में अपनी संख्या और राजनीतिक दबदबा बढ़ाने का उद्देश्य है।

सबसे बड़ी पार्टी बनने की होड़: ववर्तमान में BJP बिहार विधानसभा में 89 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है, जबकि JDU 85 विधायकों के साथ दूसरे स्थान पर है। नीतीश कुमार का लक्ष्य JDU को शीर्ष पर लाना है। यदि AIMIM के तीन विधायक खउ्व में शामिल होते हैं, तो JDU की संख्या 88 हो जाएगी। अगर AIMIM के सभी पांचों विधायक पाला बदलकर JDU में आ जाते हैं, तो खउ्व की संख्या सीधे 90 पहुंच जाएगी, और वह BJP को पछाड़कर विधानसभा में नंबर-1 पार्टी बन जाएगी।

शक्ति संतुलनः विधानसभा अध्यक्ष का पद BJP के पास जाने के बाद, नीतीश कुमार सरकार पर अपनी पकड़ किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं होने देना चाहते। विधायकों की संख्या बढ़ाना उन्हें गठबंधन के भीतर मोलभाव करने और सरकार के फैसलों पर नियंत्रण रखने की अधिक शक्ति देगा।

राजनीतिक दबदबाः विधायकों की संख्या बढ़ने से गठबंधन की राजनीति में JDU का राजनीतिक महत्व और बढ़ जाएगा, जिससे वह बीजेपी के सामने एक मजबूत भागीदार के रूप में खड़ी रह सकेगी।

पिछली बार AIMIM के 4 विधायक RJD में हो गए थे शामिल

असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM में यह टूट की आशंका नई नहीं है। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के बाद भी पार्टी को बड़ा झटका लगा था। उस समय AIMIM के 5 में से 4 विधायक पाला बदलकर राष्ट्रीय जनता दल (RJD) में शामिल हो गए थे। इस इतिहास को देखते हुए, वर्तमान में तीन विधायकों का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलना साफ संकेत है कि AIMIM एक बार फिर बड़े विभाजन का सामना कर रही है, जिससे बिहार की राजनीति में उसका वजूद खतरे में पड़ सकता है।

'वो खूबसूरत चेहरा, होंठ नहीं रुकते', 5 बच्चों के बाप 79 की उम्र में ट्रंप इस लेडी पर पिघले

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जुबान फिर फिसल गई। पेंसिल्वेनिया की एक रैली में आर्थिक एजेंडे पर बोलते हुए वे मैसेज से भटक गए और अपनी 28 साल की व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट की 'खूबसूरत चेहरे' और 'मशीन गन जैसे होंठों' की तारीफों के पुल बांधने लगे।

79 साल के ट्रंप ने लेविट को 'सुपरस्टार' बताते हुए अजीबोगरीब आवाजें निकालीं-'ओप-ओप-ओप'-और कहा कि उनके होंठ 'छोटी मशीन गन' की तरह चलते हैं। ये बयान सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहा है, जहां इसे 'सेक्सिस्ट' और 'अनप्रोफेशनल' ठहराया जा रहा है। आइए, इस वायरल मोमेंट, कैरोलिन की प्रोफाइल और ट्रंप के पुराने बयानों को विस्तार से जानते हैं...

9 दिसंबर 2025 को माउंट पोकोनो, पेंसिल्वेनिया में ट्रंप एक रैली को संबोधित कर रहे थे। मकसद था अपने दूसरे कार्यकाल की आर्थिक सफलताओं का बखान-जैसे महंगाई पर काबू, जॉब्स क्रिएशन और 'अफोर्डेबिलिटी होक्स' को खारिज करना। लेकिन बीच में वे रुक गए और स्टेज पर मौजूद कैरोलिन लेविट की ओर इशारा कर बोले, 'आज हम अपनी सुपरस्टार कैरोलिन को भी साथ लाए हैं। क्या वो कमाल की नहीं हैं? क्या कैरोलिन वाकई कमाल की हैं?' भीड़ ने तालियां बजाई, लेकिन ट्रंप यहीं नहीं रुके।

उन्होंने लेविट के आत्मविश्वास और टीवी पर 'डॉमिनेट' करने की तारीफ की, जो उनसे 51 साल छोटी हैं। फिर आया वो वायरल लाइनः 'जब वो टीवी पर आती हैं, जैसे फॉक्स न्यूज पर, तो वो हावी हो जाती हैं। वो हावी हो जाती हैं... जब वो उस खूबसूरत चेहरे और उन होंठों के साथ मंच पर आती हैं, जो लगातार धड़कते रहते हैं-ओप-ओप-ओप-मानो एक छोटी मशीन गन चल रही हो!' ट्रंप ने अजीब साउंड इफेक्ट्स के साथ जारी रखा, 'उसे कोई डर नहीं लगता... क्योंकि हमारे पास सही नीतियां हैं। महिला खेलों में हमारे पुरुष नहीं हैं... हमें ट्रांसजेंडर एजेंडा नहीं बेचना है, न ही खुली सीमाएं जहां पूरी दुनिया के जेलों से लोग हमारे देश में घुस आएं। इसलिए उसका काम थोड़ा आसान हो गया है।'

ये बयान वीडियो के रूप में वायरल हो गया, जिसे पर लाखों बार देखा जा चुका है। ट्रंप ने जोड़ा, 'मैं दूसरे पक्ष का प्रेस सेक्रेटरी नहीं बनना चाहूंगा।' रैली का मूड हल्का था, लेकिन ये कमेंट्स आलोचना के केंद्र में आ गए।

ये पहली बार नहींः अगस्त से 'मशीन गन होंठ' का पुराना कनेक्शन

ट्रंप का लेविट के प्रति ये 'फैन बॉय' अंदाज नया नहीं। अगस्त 2025 में न्यूजमैक्स इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, 'ये उसका चेहरा है। ये उसका दिमाग है। ये उसके होंठ हैं, जो ऐसे हिलते हैं जैसे वो एक मशीन गन हो।' अक्टूबर में एयर फोर्स वन पर उन्होंने दोहराया, 'वो चेहरा... और वो होंठ, जो मशीन गन की तरह चलते हैं। कभी बदलूंगा नहीं।' ट्रंप ने दावा किया, 'कैरोलिन से बेहतर प्रेस सेक्रेटरी किसी के पास नहीं रही।' ये कमेंट्स ट्रंप की पुरानी स्टाइल को याद दिलाते हैं-महिलाओं की तारीफ में अक्सर फिजिकल अपीयरेंस पर फोकस।

सोशल मीडिया पर बवालः 'सेक्सिस्ट', 'क्रिपी'-मेलानिया तलाक की अफवाहें तक

ट्रंप का बयान पर आग लगा गया। TrumpCreepyLips ट्रेंड कर रहा है, जहां यूजर्स ने इसे 'अजीब', 'सेक्सिस्ट' और 'अनप्रोफेशनल' ठहराया। एक यूजर ने लिखा, 'ट्रंप का स्पीच इकोनॉमी पर था, लेकिन ट्रांस इश्यूज, रेसिस्ट सलाद और कैरोलिन के होंठों पर अटक गया? क्या मेलानिया अब तलाक की तैयारी कर रही हैं?' ह्यूमन राइट्स कैंपेन के ब्रैंडन वुल्फ ने कहा, 'ट्रंप का स्पीच इकोनॉमी पर था, लेकिन... कैरोलिन के होंठों पर?'

भारत के पसंदीदा कॉमेडियन कपिल शर्मा और कृष्णा अभिषेक फिर से कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स एंटरटेनमेंट अनलिमिटेड' में एक साथ आए हैं

(जीएनएस)।

भारतीय टेलीविजन को इस दशक का सबसे बड़ा नॉस्टैल्जिक झटका तब लगा जब कलर्स ने वह रीयूनियन करा दिया जिसकी फैंस को उम्मीद भी नहीं थी। कपिल शर्मा और कृष्णा अभिषेक ने इसी चैनल पर कॉमेडी युग की परिभाषा बदली थी और अब वे फिर एक साथ स्क्रीन पर हैं और 'लाफ्टर शेफ्स एंटरटेनमेंट अनलिमिटेड' में हंगामा मचा रहे हैं। यह पल ऐतिहासिक है क्योंकि कपिल शर्मा 11 साल बाद कलर्स चैनल पर लौट रहे हैं और इस बार वे अपनी आने वाली फिल्म के प्रमोशन के लिए विशेष अतिथि के रूप में आए हैं। और जैसे ही वे सेट पर कदम रखते हैं, रसोई का माहौल ही बदल जाता है।

कृष्णा अभिषेक इस शो के पहले से ही धमाकेदार सदस्य हैं। वह इस उठते तूफान की झलक को तुरंत भाँप लेते हैं और उसे हवा दे देते हैं। वह महिला का वेश धरकर भव्य अंदाज में मंच पर प्रवेश करते हैं— उन किरदारों को सैल्यूट जो कभी भारतीय घरों की हँसी की गूँज की वजह बनते थे। दोनों ने उसी शरारत और जादू की झलक दिखाई जिनके साथ वे जुड़े हुए हैं। इसके बाद शुरू हो गया एक कॉमेडी कार्निवल! कपिल की कुकिंग स्किल (या उनके अभाव में) प्राइम-टाइम एंटरटेनमेंट बन जाती है। उनके ठीक बगल में खड़े हैं कृष्णा — सबका ध्यान भंग करवाने वाले, बेपरवाह रूप से हँसमुख और जान-बूझकर मदद न करने वाले 'सपोर्ट सिस्टम' जो किसी भी रसोई में हो सकते हैं। वह छेड़ते हैं, बीच में बोलते हैं, किरदार निभाते हैं — और कपिल हर अवरोध को अवसर में बदल देते हैं, जो साबित करता है कि दोनों ही देश के सबसे प्यार किए जाने वाले कॉमेडी स्टार हैं।

देखिए 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3' — को-पॉवर्ड बाय एन्वी परफ्यूम्स एंड कैच मसाले, पोअर होम एयर फ्रेशनर, लक्सइंफर्नो; स्पेशल पार्टनर कैरेटलेन और पेट शुद्धि— हर शनिवार-रविवार रात 9:00 बजे सिर्फ कलर्स पर!

प्यार, धोखा और ब्लैकमेलिंग! कौन हैं महिला डीएसपी कल्पना वर्मा? बिजनेसमैन ने लगाया 'लव ट्रैप' का आरोप

(जीएनएस)।

छत्तीसगढ़ के रायपुर से एक गंभीर मामला सामने आया है। एक बिजनेसमैन ने छत्तीसगढ़ में पदस्थ महिला डीएसपी पर रिश्वतखोरी, ब्लैकमेलिंग और धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं। बिजनेसमैन ने दावा किया है कि महिला अधिकारी ने पहले उसे प्यार के जाल में फंसाया और फिर शादी का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी की।

बिजनेसमैन ने आरोप लगाया है कि उससे महंगी कारें और कीमती ज्वेलरी ऐंठ ली गई। यह पूरा मामला अब जांच के दायरे में है, जिससे दोनों पक्षों की भूमिका पर सवाल खड़े हो गए हैं। कल्पना वर्मा ने इन आरोपों को बेबुनियाद और राजनीतिक साजिश बताकर खारिज कर दिया है। आइए आपको कल्पना वर्मा की पूरी कहानी बताते हैं...

कब हुई दोनों की मुलाकात? क्या-क्या लगाए आरोप

एनडीटीवी की रिपोर्ट्स के अनुसार, पीड़ित बिजनेसमैन दीपक टंडन ने बताया कि उनकी मुलाकात डीएसपी कल्पना वर्मा से साल 2021 में हुई थी। व्यवसायी दीपक टंडन के आरोपों के मुताबिक, इस रिश्ते के दौरान डीएसपी उनसे लगातार पैसों की डिमांड करती रहीं। इस तरह उन्होंने डीएसपी को दो करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम दी।

बिजनेसमैन ने क्या-क्या किया गिफ्ट?

रिपोर्ट्स के अनुसार, बिजनेसमैन ने डीएसपी को 12 लाख रुपये की हीरे की अंगूठी, 5 लाख रुपये की सोने की चेन और टॉप्स, और 1 लाख रुपये का ब्रेसलेट भी गिफ्ट में दिये। इसके अलावा, डीएसपी ने उनसे एक इनोवा क्रिस्टा कार भी ली।

होटल को लेकर किया बड़ा दावा

बिजनेसमैन का आरोप है कि डीएसपी की मांग यहीं नहीं रुकी। उन्होंने डीएसपी के लिए रायपुर की श्क्ढ रोड पर स्थित उनके एक होटल को पहले डीएसपी के भाई के नाम पर, और बाद में ₹30 लाख खर्च करके डीएसपी के नाम पर करवा लिया।

ब्लैकमेलिंग और जेल भेजने की धमकी

दीपक टंडन ने पुलिस में दर्ज शिकायत में कहा है कि जब उन्होंने डीएसपी की लगातार बढ़ती मांगों को पूरा करने से मना किया, तो महिला अधिकारी उन्हें ब्लैकमेल करने लगीं। उन्होंने खम्हारडीह थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि जब उन्होंने शिकायत वापस लेने से इनकार कर दिया, तो डीएसपी ने उन्हें फर्जी मामलों में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी। व्यवसायी ने अपनी शिकायत के साथ व्हाट्सएप चैट, सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूत पुलिस को सौंपे हैं।

डीएसपी ने आरोपों को बताया निराधार और साज़िश

दूसरी ओर, डीएसपी कल्पना वर्मा ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे 'निराधार और बदनाम करने की साज़िश' करार दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, डीएसपी वर्मा का कहना है कि यह पूरा विवाद उनके पिता और व्यवसायी दीपक टंडन के बीच बकाया राशि को लेकर है।

इस बकाया रकम के लिए दीपक टंडन की पत्नी बरखा टंडन ने एक चेक दिया था, जो बैंक में बाउंस हो गया था। डीएसपी का आरोप है कि चूंकि यह चेक बाउंस का मामला अदालत में विचाराधीन है, इसलिए न्यायिक कार्रवाई से बचने के लिए दीपक टंडन जानबूझकर उन्हें इस केस में घसीटकर उनकी छवि खराब कर रहे हैं।

बिजनेसमैन दीपक टंडन खुद भी सवालों के घेरे में

मामले की जांच शुरू होने के बाद कुछ अन्य खुलासे भी सामने आए हैं, जिनसे व्यवसायी दीपक टंडन खुद सवालों के घेरे में आ गए हैं। जांच से जुड़े सूत्रों के हवाले से, यह पता चला है कि दीपक टंडन पर एक अन्य महिला से साल 2018 में ₹50 लाख की ठगी का आरोप है।

यह रकम कथित तौर पर आबकारी विभाग में काम दिलाने के नाम पर ली गई थी। इससे भी गंभीर बात यह है कि कुछ पुख्ता प्रमाण मिले हैं कि व्यवसायी दीपक टंडन का नाता महादेव सट्टा ऐप के बड़े विवाद से भी है। ठगी और महादेव ऐप से कनेक्शन की जानकारी सामने आने के बाद अब पूरे मामले का रुख पलट गया है।

मानहानि का केस करेंगी डीएसपी

डीएसपी कल्पना वर्मा ने दीपक टंडन और बरखा टंडन पर षड्यंत्र रचने का संदेह जताया है।

वैभव सूर्यवंशी नीलामी में होते तो कितने करोड़ मिलते? 12 गुना राशि के साथ 2 टीमों में होती टक्कर

(जीएनएस)।

पिछले आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स (RR) के लिए गदर मचाने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी निश्चित रूप से IPL 2026 की नीलामी में होते तो तहलका मचा देते। 14 साल की उम्र में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से इतिहास रचने वाले वैभव के लिए टीमों के बीच जबरदस्त बिड वॉर देखने को मिलती। राजस्थान रॉयल्स ने उनको रिटेन करते हुए जबरदस्त काम किया है।

उनका पिछला नीलामी मूल्य 1.10 करोड़ था। उनके IPL 2025 के प्रदर्शन के आधार पर, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि इस बार नीलामी में होने पर उनको कितने रुपये मिलते।

कितनी रकम ले जाते वैभव सूर्यवंशी?

वैभव सूर्यवंशी के लिए अनुमानित नीलामी मूल्य 12 करोड़ से 15 करोड़ रुपये तक हो सकता था। लंबी रेस का घोड़ा हर टीम को चाहिए। सूर्यवंशी की तूफानी अप्रोच में यह साफ झलकता है। पिछले सीजन उनका प्रदर्शन भी वैसा ही रहा था। सूर्यवंशी ने पहले सीजन में ही शतक जमा दिया था।

IPL टीमें हमेशा अगले 10-15 वर्षों के लिए एक भारतीय कोर खिलाड़ी की तलाश में रहती हैं। इतनी कम उम्र में इतना विस्फोटक प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी दुर्लभ हैं। टीमें उन्हें भविष्य के लिए एक 'फ्रेंचाइजी प्लेयर' के तौर पर देखती हैं। सूर्यवंशी उम्र अभी 14 साल है और स्ट्राइक रेट भी आग उगलने वाला है।

किन टीमों में होती टक्कर

सूर्यवंशी को खरीदने की होड़ अभी के हिसाब से 2 टीमों में रहती। केकेआर को एक तूफानी ओपनर चाहिए। उनके पर्स में पैसे भी काफी हैं। दूसरी टीम चेन्नई सुपर किंग्स हो सकती थी, जो सूर्यवंशी के लिए बोली लगाती। दोनों टीमें सूर्यवंशी के लिए 10 करोड़ से ज्यादा बोली लगाने के लिए जाने के बारे में पक्का सोचती।

पिछले सीजन कैसा था वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन

वैभव सूर्यवंशी का IPL 2025 सीजन राजस्थान रॉयल्स (RR) के लिए बेहद विस्फोटक रहा था। उन्होंने सिर्फ 7 मैचों में 252 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 36.00 और असाधारण स्ट्राइक रेट 206.55 रहा। इस सीजन का मुख्य आकर्षण गुजरात टाइटंस के खिलाफ उनका तूफानी शतक था, जहाँ उन्होंने मात्र 35 गेंदों पर IPL इतिहास का सबसे तेज भारतीय शतक जड़ा। 14 साल की उम्र में IPL में डेब्यू करके वह लीग के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी और शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन का अवॉर्ड भी मिला।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

रेलवे अमृत भारत स्कीम के तहत 1,300 से अधिक स्टेशनों का कर रहा है पुनर्विकास : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, 10 दिसंबर:2025 को लोकसभा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारत के चल रहे रेलवे स्टेशन पुनर्विकास अभियान के पैमाने और प्रगति की रूपरेखा प्रस्तुत की। मंत्रीश्री ने कहा, "मैं पूरे सदन और राष्ट्र को, आपके माध्यम से यह जानकारी देना चाहता हूं कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री ने अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत स्टेशनों के पुनर्विकास की एक नई पहल शुरू की है, जो पूरी दुनिया में किसी भी देश द्वारा स्टेशनों के पुनर्विकास का सबसे बड़ा कार्यक्रम है।"

1,300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, 160 स्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है, और यह काम करने के पुराने पारंपरिक तरीकों से अलग है जहां सिर्फ रंग-रोगन को ही स्टेशन विकास मान लिया जाता था। आज हम एक सुविचारित मास्टर प्लान के साथ काम कर रहे हैं, स्थानीय वास्तुकला को महत्व दे रहे हैं, दोनों ओर से प्रवेश का रास्ता बना रहे हैं, यात्री हॉल और एफओबी (फुट ओवर ब्रिज) बना रहे हैं, और आने वाले अगले 50 वर्षों के लिए इसकी योजना बना रहे हैं।

श्री वैष्णव ने सुधारे गए प्रवेश क्षेत्रों, विस्तारित पार्किंग जोन और नई यात्री-प्रबंधन व्यवस्थाओं पर भी प्रकाश डाला। दिवाली और छठ पूजा के दौरान तैयार किए गए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के होल्डिंग एरिया का उदाहरण देते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे चरम त्योहारी भीड़ के दौरान हजारों यात्री रेलवे सुविधाओं का उपयोग करते हुए आराम से इंतजार कर पाए। स्टेशनों पर बढ़ी हुई स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, मंत्रीश्री ने कहा कि 15 साल पहले की स्थिति की तुलना में स्वच्छता के स्तर में काफी सुधार हुआ है, जिससे सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के लिए "एक नया मानक" स्थापित हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इसी साल जून में अमृत भारत स्टेशनों के एक नए समूह के पुनर्विकास कार्यों का शुभारंभ किया था, जिसमें राजस्थान के बीकानेर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कुल 103 स्टेशनों को लॉन्च किया गया था। यह राष्ट्रव्यापी आधुनिकीकरण प्रयास में एक और मील का पत्थर था। उन्नत मुहार, बेहतर परिसंचरण क्षेत्रों, टिकाऊ भवन सुविधाओं और बहु-मोडल एकीकरण के साथ योजनाबद्ध ये स्टेशन, देश भर में विश्व-स्तरीय, भविष्य के लिए तैयार रेलवे हब बनाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं।

पश्चिम रेलवे चलाएगी तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

मुंबई,

यात्रियों की सुविधा एवं यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस – हजरत निजामुद्दीन, वडोदरा – कोट्टयम तथा साबरमती – नई दिल्ली स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 04005/04006 बांद्रा टर्मिनस – हजरत निजामुद्दीन सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 04005 बांद्रा टर्मिनस – हजरत निजामुद्दीन स्पेशल शुक्रवार, 12 दिसम्बर, 2025 को 14.40 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.10 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04006 हजरत निजामुद्दीन – बांद्रा टर्मिनस स्पेशल गुरुवार, 11 दिसम्बर, 2025 को 13.35 बजे हजरत निजामुद्दीन से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम एवं कोटा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर एवं एसी-3 टियर कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09124/09123 वडोदरा – कोट्टयम (साप्ताहिक) स्पेशल (08 फेरे)

ट्रेन संख्या 09124 वडोदरा – कोट्टयम स्पेशल प्रत्येक शनिवार को 09.05 बजे वडोदरा से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19.00 बजे कोट्टयम पहुंचेगी। यह ट्रेन 20 दिसम्बर, 2025 से 10 जनवरी, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09123 कोट्टयम – वडोदरा स्पेशल प्रत्येक रविवार को 21.00 बजे कोट्टयम से प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 06.00 बजे वडोदरा पहुंचेगी। यह ट्रेन 21 दिसम्बर, 2025 से 11 जनवरी, 2026 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, वापी, वसई रोड, भिवंडी रोड, पनवेल, रोहा, खेड़, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, राजापुर रोड, कणकवली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड, थिविम, करमली, मडगांव, कारवार, कुमटा, मुर्डेश्वर, भटकल, मुकाम्बिका रोड बैंदूर, कुंडापुरा, उडुपी, सुरथकल, मंगलुरु जं., कासरगोड, कन्नूर, तलश्शेरी, कोझिक्कोड, तिरुर, षोरनूर, त्रिशूर, आलुवा तथा एरणाकुलम टाउन स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास तथा जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 04033 साबरमती – नई दिल्ली स्पेशल (01 फेरा)

ट्रेन संख्या 04033 साबरमती – नई दिल्ली स्पेशल गुरुवार, 11 दिसम्बर, 2025 को 19.00 बजे साबरमती से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.40 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

यह ट्रेन पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, अलवर एवं रेवाड़ी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर एवं एसी-3 टियर कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04005 एवं 04033 की बुकिंग शुरू है, जबकि ट्रेन संख्या 09124 की बुकिंग 12.12.2025 से समस्त पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। यात्री समस्त पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर टिकट प्राप्त कर सकते हैं। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस और अजमेर के बीच चलायी जाएगी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई,

यात्रियों की सुविधा तथा अजमेर उर्स उत्सव के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस – अजमेर स्टेशन के बीच विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेन चलायी जाएगी।

पश्चिमी रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09063/09064 बांद्रा टर्मिनस – अजमेर सुपरफास्ट स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09063 बांद्रा टर्मिनस – अजमेर स्पेशल बुधवार, 24 दिसंबर, 2025 को 12:15 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06:15 बजे अजमेर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09064 अजमेर – बांद्रा टर्मिनस स्पेशल गुरुवार, 25 दिसंबर, 2025 को 11:40 बजे अजमेर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, नडियाद, साबरमती, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, पिण्डवाड़ा, फालना, रानी, मारवाड़, सोजत रोड और ब्यावर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में अउ – 2 टियर, अउ – 3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09063 के लिए बुकिंग 12 दिसंबर 2025 से सभी ढफ्र काउंटरों और क्रष्ठ्ठळ्ठ वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सीएम योगी ने इन दो लत को बताया युवा के लिए सबसे बड़ी चुनौती, बचने की दी सलाह

(जीएनएस)।

गोरखपुर (उत्तर प्रदेश), 10 दिसंबर (एएनआई): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को आज के युवाओं को घेरे दो प्रमुख लतों – नशे की लत और स्मार्टफोन के अत्यधिक उपयोग – से दूर रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं से इन आदतों से बचने का आग्रह करते हुए कहा कि ऐसा करने से न केवल उनका भविष्य सुरक्षित होगा, बल्कि राष्ट्र के विकास में भी योगदान मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें स्थापना सप्ताह समारोह के समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, "आज युवाओं के सामने दो चुनौतियाँ हैं: एक नशे की लत है, और दूसरी मोबाइल फोन या स्मार्टफोन की लत है। उन्हें इन दोनों ही लतों से बचना होगा।"

उन्होंने आगे कहा, "युवा जितना अधिक इनसे बचेंगे, उतना ही बेहतर तरीके से वे अपनी और देश के भविष्य की रक्षा कर पाएंगे। नशे से बचकर ही युवा अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को ठीक से निभा पाएंगे।"

मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट किया, "युवाओं को इस नई लड़ाई से लड़ने के लिए खुद को तैयार करना होगा, क्योंकि विरोधी किसी न किसी रूप में घुसपैठ करना चाहते हैं। हमें उन्हें यह अवसर नहीं देना चाहिए।" उन्होंने युवाओं द्वारा स्मार्टफोन पर अत्यधिक समय बिताने की आदत कम करने की सलाह दी।

मुख्यमंत्री ने समझाया कि भले ही इसे एक साथ पूरी तरह से छोड़ना चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन युवाओं को धीरे-धीरे इसका उपयोग कम करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया, "आवश्यकता पड़ने पर अपने मोबाइल फोन का उपयोग केवल आधे

घंटे या एक घंटे के लिए ही करें। एक समय सीमा निर्धारित करें; इसका उपयोग तभी करें जब आपको कोई महत्वपूर्ण कॉल करनी हो।"

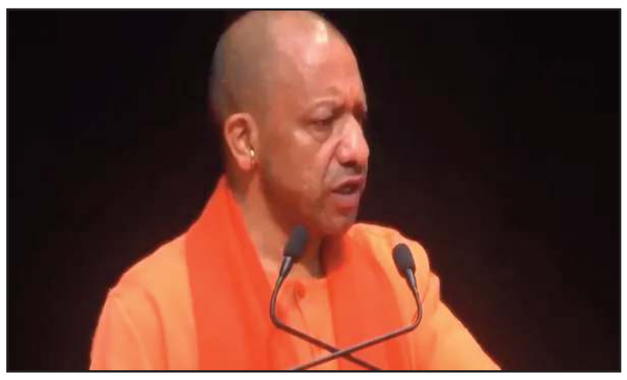

मुख्यमंत्री ने आगे चेतावनी दी, "स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग आपकी दृष्टि को प्रभावित कर सकता है। यह बुद्धिमत्ता, विवेक और शारीरिक क्षमता को पूरी तरह से क्षीण कर देगा। इसलिए, आपको जितना संभव हो सके, स्मार्टफोन से बचने का प्रयास करना चाहिए।"

योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए कहा, "वर्तमान में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम न केवल इसके संस्थापकों के प्रति कृतज्ञता के रूप में एक विनम्र श्रद्धांजलि हैं, बल्कि हमारे समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने का एक माध्यम भी हैं, जो हमें हमारे कर्तव्यों की याद दिलाते हैं।"

उन्होंने कहा, "हर नागरिक अपने अधिकारों की बात करता है लेकिन समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी से विमुख रहता है। यह समारोह महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न संस्थानों को एकजुट करता है और टीम वर्क के महत्व को बताता है।"

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि विश्व अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट, ड्रोन और रोबोटिक्स के एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा, "हममें से कोई भी खुद को इससे अलग नहीं कर सकता। और न ही हमें करना चाहिए। हमें इस मानसिकता से भी उबरने की जरूरत है कि तकनीक से रोजगार के अवसर कम होंगे।"

योगी आदित्यनाथ ने जोर दिया, "यह सच नहीं है; बल्कि, जैसे-जैसे तकनीक आगे बढ़ेगी, नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। हमें इसके अनुकूल होने के लिए खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करना होगा।" उन्होंने यह भी कहा कि जीवन में केवल वही सफल होते हैं जो धैर्य नहीं खोते और शांत रहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, "जीवन में हार तभी होती है, जब हमारा दृष्टिकोण नकारात्मक हो। दूसरों को दोष देने के बजाय, यदि हम मिलकर एक दीपक जलाना शुरू करें, यदि हर व्यक्ति मिलकर काम करे और आगे बढ़े, तो कहीं भी अंधेरा नहीं रहेगा।"

योगी आदित्यनाथ ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टीम वर्क के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोगों से इनसे जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने याद दिलाया कि शॉर्टकट का रास्ता कभी भी जीवन में सफलता नहीं दिला सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति और संस्थान को हमेशा इस बात के लिए तैयार रहना चाहिए कि जहां तकनीक जीवन को आसान बना रही है, वहीं यह हमें उतनी ही चुनौतियाँ और कठिनाइयाँ भी दे रही है।

उन्होंने कहा, "युवाओं और शैक्षणिक संस्थानों को इसके लिए खुद को तैयार करना होगा।" इस अवसर पर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थानों से सर्वश्रेष्ठ संस्थानों, सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों, सर्वश्रेष्ठ कर्मचारियों, सर्वश्रेष्ठ सहायक कर्मचारियों, और उत्कृष्ट स्नातकोत्तर, स्नातक, तथा हाई स्कूल/इंटरमीडिएट के छात्रों, साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु की बैठक संपन्न

(जीएनएस)।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में माह दिसंबर, 2025 की जिला उद्योग बंधु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपयुक्त उद्योग द्वारा पिछले बैठक के अनुपालन में अब तक की गई कार्रवाई का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया।

इस दौरान डीएम ने उद्यमियों से संवाद किया एवं सभी के सुझाव एवं समस्याओं को सुना तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश संबंधित को दिए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम अटल पेंशन योजना, पीएम सूर्य घर योजना, पीएम स्वनिधि योजना, सीएम युवा स्वरोजगार योजना सहित अन्य रोजगारपरक योजनाओं की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के अनुरूप पात्र लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी बैंक में ऋण आवेदन पत्र अनावश्यक रूप से लंबित न रहे। यदि किसी आवेदन में कोई कमी हो तो संबंधित शाखाएं लाभार्थियों से संपर्क कर उसे दूर करें और समयबद्ध ऋण वितरण सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, उपायुक्त उद्योग, बैंकर्स, उद्यमी, व्यापारीगण एवं संबंधित विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा पुलिस कार्यालय की शाखाओं का किया गया

(जीएनएस)।

बांदा, वार्षिक निरीक्षण । निरीक्षण के दौरान गार्द रुम, डिस्पैच, रिट सेल, प्रधान लिपिक व अन्य शाखाओं का निरीक्षण कर सम्बन्धित को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश ।

आज दिनांक 10.12.2025 को पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल द्वारा पुलिस कार्यालय से सम्बन्धित सभी शाखाओं का वार्षिक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान गार्द रुम, डिस्पैच, रिकार्ड रुम, पीआरओ सेल, प्रधान लिपिक आदि कार्यालयों का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान गार्द रुम के पुलिस बल की उपस्थिति, ड्यूटी रजिस्टर, शस्त्रागार में रखे हथियारों की साफ-सफाई व रख-रखाव आदि का निरीक्षण किया गया, रिट सेल में अपराधों की समीक्षा करते हुए मा0 न्यायालयों से सम्बन्धित प्रपत्रों, सम्मनों व वारंटो आदि के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा की गई साथ ही अन्य सभी शाखाओं का भी निरीक्षण करते हुए शाखाओं से सम्बन्धित अधिकारियों को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश । निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी कार्यालय श्री अखिलेश राजन व प्रतिसार निरीक्षक श्री बेलाश यादव भी मौजूद रहे ।

छाया ग्राम स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता दिवस का सीएमओ ने किया निरीक्षण

टीकाकरण सेवाओं की गुणवत्ता पर दिया विशेष जोर, 03 गर्भवती महिलाओं और 16 बच्चों का हुआ टीकाकरण

(जीएनएस)।

बलरामपुर । विकास खण्ड तुलसीपुर के ग्राम बिशुनपुर खैरहनिया में आयोजित छाया ग्राम स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता दिवस कार्यक्रम का मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने बुधवार को निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने टीकाकरण, पोषण एवं स्वच्छता से जुड़ी गतिविधियों का अवलोकन किया तथा लाभार्थियों से संवाद स्थापित कर सेवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी प्राप्त की।

सीएमओ के निरीक्षण के समय एएनएम शिल्पा भारती द्वारा 03 गर्भवती महिलाओं एवं 16 बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका था। इस दौरान डॉ. रस्तोगी ने टीकाकरण कार्य में और तेजी लाने, सभी पात्र लाभार्थियों की शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर आयोजित ऐसे दिवस ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और समय से टीकाकरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

निरीक्षण के दौरान जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित वर्मा, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी पूनम साहू, आशा कार्यकत्री आरती देवी, आंगनवाड़ी कार्यकत्री उर्मिला, प्रीतम गुप्ता सहित स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम मौजूद रही। जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने ग्रामवासियों को स्वच्छता, पोषण, टीकाकरण एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक करने के लिए संदेश भी दिया।

सीएमओ ने स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में ऐसे कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा किसी भी लाभार्थी को सेवाओं से वंचित न रहने दिया जाए। उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य है कि प्रत्येक ग्राम में मातृ-शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी सभी सेवाएं समय से और गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराई जाएं।

बांदा में मानव अधिकार दिवस पर दृष्टिबाधित बच्चों को स्वेटर वितरण किया गया

(जीएनएस)।

बांदा -दिनांक 10/12/2025 को मानवाधिकार फोरम के तत्वाधान में ग्राम महोखर के राजकीय दृष्टिबाधित कालेज में मानवाधिकार दिवस के अवसर पर मानवाधिकार फोरम के जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष रामपाल प्रजापति रहे विशिष्ट अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील कुमार श्रीवास्तव,प्रदेश सचिव विनोद कुमार श्रीवास्तव,बुंदेलखंड प्रभारी बहन नीलम गुप्ता जी रही ।

मानवाधिकार दिवस पर कॉलेज के दृष्टि बाधित बच्चों को और कॉलेज के दृष्टि बाधित शिक्षकों को प्रोत्साहित करते गर्म स्वेटर वितरण कर सम्मानित किया गया। मानवाधिकार फोरम के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल प्रजापति ने बच्चों को संविधान में दिए गए अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए मानवाधिकार फोरम के उद्देश्यों को बताते मानव संरक्षण के तहत गरीबों मजलूमों पीड़ितों असहाय लोगों को न्याय दिलाने हेतु संगठन अपना पूरा सहयोग कर रहा है। इस अवसर पर कॉलेज के बच्चों का हौसला बढ़ाने प्रोत्साहित करें के साथ साथ राष्ट्र सेवा सर्वोपरि सेवा भाव से समाज निर्माण का कार्य सब करे । नगर अध्यक्ष दिनेश कुमार शुक्ला, अरविंद कुमार गुप्ता ,अमित कुमार,राहुल भाई ,रानू भाई ,मानवाधिकार फोरम के कार्यकर्ता पदाधिकारियों ने सहयोग किया ।

बलरामपुर पुलिस द्वारा चोरी/गुम हुए 174 स्मार्टफोन किया गया बरामद (स्मार्टफोनों की अनुमानित कीमत लगभग 36 लाख रुपये)

(जीएनएस)।

महराष्ट्र (मुम्बई) से चोरी/गुम हुए मोबाइलों की बरामदगी हेतु पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार द्वारा जनपद बलरामपुर मे चलाए गये विषेश अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विशाल पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी ललिया/ साइबर क्राइम डी0के0 श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में, प्रभारी साइबर थाना आर0 पी0 यादव के नेतृत्व में साइबर थाना पुलिस व महराष्ट्र पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा आवश्यक तकनीकी कार्यवाही करते हुए कुल 174 अदद स्मार्टफोन बरामद किए गए।

बरामद किए गए स्मार्टफोनों की अनुमानित कीमत लगभग 36 लाख रुपये है।

इस उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर ने साइबर थाना पुलिस टीम के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यवाही बलरामपुर पुलिस की सतर्कता, तकनीकी दक्षता एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस प्रयास से जहां आमजन का पुलिस पर विश्वास मजबूत हुआ है, वहीं यह भी सिद्ध हुआ है कि बलरामपुर पुलिस हर तरह के पीड़ितों की सहायता के लिए सदैव तत्पर है।

बलरामपुर पुलिस का यह प्रयास केवल गुमशुदा संपत्ति की बरामदगी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दशार्ता है कि आधुनिक तकनीक, टीम वर्क एवं समन्वित प्रयास के माध्यम से किसी भी चुनौती को सफलता में बदला जा सकता है। जनपद बलरामपुर पुलिस आमजन को विश्वास दिलाती है कि गुमशुदा मोबाइल बरामदगी की यह प्रक्रिया सतत रूप से जारी रहेगी।

बरामदगी गुमशुदा मोबाइल-

174 अदद स्मार्टफोन

अनुमानित कीमत- लगभग 35 लाख रुपये

श्रद्धालुओं ने केन जल महाआरती संपन्न की, मांगा आशीर्वाद

(जीएनएस)।

बांदा -केन जल महाआरती कार्यक्रम बड़े ही श्रद्धा भाव के साथ श्रद्धालुओं ने संपन्न किया। यह आयोजन विश्व हिंदू महासंघ गौ रक्षा समिति एवं गंगा समग्र कानपुर प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने केन नदी के जल में गिर रहे गंदे नाले के पानी को बिना सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के बिना नदी में गंदगी प्रवाहित होने पर नाराजगी जताई और कहा गया कि इससे के नदी का जल अशुद्ध हो रहा है। श्रद्धालुओं ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि जहां गंदे नाले का पानी नदी में गिरता है वहां का पानी एकदम काला पड़ जाता है क्योंकि उसमें काफी सारी गंदगी गिरती है। वहीं दूसरी तरफ आम जनमानस भी केन नदी के पुल से जाने कितने अपशिष्ट पदार्थ और पालीथीन नदी में फेक देते है जिससे भी जल दूषित होता जा रहा है। इन सभी के मद्देनजर जिलाध्यक्ष महेश प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि हम सबको एक शपथ लेनी चाहिए कि अब से केन नदी में हम लोग कोई भी अपशिष्ट पदार्थ और पालीथीन नहीं डालेंगे और इसे स्वच्छ रखने में सहायक बनेंगे। इस दौरान बताया गया कि केन नदी का जल सभी के घरों में भी सप्लाई की माध्यम से जाता है जोकि दूषित रहता है जिससे आम जनमानस के बीमार होने का भी काफी खतरा है। इस दौरान सभी से अपील की गई है कि केन नदी को स्वच्छ रखने में सभी लोग सहयोग करे और नदी को दूषित न करें। इस दौरान कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता गुप्ता जिला अध्यक्ष युवा उद्योग व्यापार मंडल प्रेम गुप्ता कोषाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता जिला संयोजक महेश तिवारी जिला महामंत्री राकेश कुमार त्रिपाठी जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार धुरिया जिला उपाध्यक्ष आलोक कुमार प्रजापति नगर अध्यक्ष ऋषभ कुमार विश्वकर्मा सहित तमाम पदाधिकारी एवं श्रद्धालु लोग मौजूद रहे।

टेढ़ी पुलिया में सड़क धंसाव की मरम्मत शुरू, सुएज ने संभाला जिम्मा

(जीएनएस)।

लखनऊः टेढ़ी पुलिया क्षेत्र में हुए सड़क धंसाव की मरम्मत का कार्य अंततः सुएज की टीम द्वारा शुरू कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि यह सड़क धंसाव 27 सितंबर 2025 को हुआ था, जिसकी मुख्य वजह सीवर पाइपलाइन की स्ट्रेंथ बढ़ाने का कार्य बताया गया। इस कार्य के लिए जल निगम ने एक कार्यदायी संस्था को अनुबंधित किया था, जिसने सीवर लाइन पर चार महीने तक 'रोका' लगाया, अर्थात पानी के प्रवाह को अस्थायी रूप से रोका गया। इसी दौरान टेढ़ी पुलिया के पास सीवर लाइन में लीकेज हुई, जिसके परिणामस्वरूप सड़क धंस गई और स्थानीय यातायात बाधित हो गया। मरम्मत कार्य शुरू करने से पहले जलकल विभाग को ट्रैफिक विभाग और पीडब्ल्यूडी से रोड कटिंग व डायवर्जन संबंधी स्वीकृतियाँ लेनी पड़ीं। चूँकि अलग-अलग विभागों से अनुमोदन प्राप्त करने में समय लगता है, इसलिए कार्य प्रारंभ होने में विलंब होना स्वाभाविक था। सुएज के परियोजना निदेशक राजेश मठपाल ने बताया कि सड़क धंसाव की मरम्मत का कार्य पूरी सुरक्षा मानकों के साथ शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ह्लगड्ढा काफी गहरा है, इसलिए हमारी टीम सुरक्षा उपकरणों के साथ कार्य कर रही है। उम्मीद है कि मरम्मत कार्य जल्द ही संपादित कर लिया जाएगा और यातायात सामान्य स्थिति में लौट आएगा।ह्व स्थानीय निवासियों

का कहना है कि टेढ़ी पुलिया बाजार और आसपास के इलाकों में सड़क धंसाव के कारण कई हफ्तों तक आवागमन प्रभावित रहा। मरम्मत कार्य शुरू होने से लोगों को राहत मिलेगी और व्यावसायिक गतिविधियाँ भी सामान्य होने की उम्मीद है। विशेषज्ञों के अनुसार, शहर में सीवर पाइपलाइन की मजबूती और मरम्मत कार्यों की समयबद्ध स्वीकृति अत्यंत आवश्यक है, ताकि ऐसी घटनाओं से बचा जा सके। सुएज टीम द्वारा सुरक्षा मानकों का पालन और आधुनिक मशीनों के उपयोग से मरम्मत प्रक्रिया तेज और सुरक्षित होने की संभावना जताई जा रही है।

आई.आई.सी. कंप्यूटर्स की दूसरी शाखा का उद्घाटन

(जीएनएस)।

लखनऊ। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर्स (क्कठ) ठाकुरगंज की दूसरी शाखा का उद्घाटन बालागंज/दुबग्गा स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के पास किया गया। संस्थान के निदेशक अम्बुज निगम ने बताया कि आई.आई.सी. वर्ष 2007 से कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत है और अब तक कई विद्यार्थी यहां से प्रशिक्षण लेकर लाभान्वित हुए हैं। नई शाखा का उद्घाटन लखनऊ पश्चिम विधानसभा के उपविजेता अंजनी श्रीवास्तव ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर पार्षद सी.बी. सिंह, पार्षद मनीष रस्तोगी, राम नरेश चौरसिया, बादशाह गाजी, वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश मिश्रा, व्यापारी नेता नीरज सक्सेना, भानु प्रताप सिंह, विकास राजपूत, शीटू शुक्ला, चंद्र प्रकाश गुप्ता, पुष्कर सिंह, विकेंद्र सोनकर, मनीष गुलाटी, अरविंद गुप्ता, धीरज निगम, निरंजन दूबे, अरमान, राजीव सक्सेना सहित कई लोग उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों ने संस्थान की शिक्षा गुणवत्ता की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में निदेशक अम्बुज निगम ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

ई-रिक्शा लगातार दे रहे हादसों को दावत, बीच सड़क पर पलटा ओवरलोड ई-रिक्शा

पुलिस ए आर टी ओ की मिली भगत से खखरेरू में फल फूल रहे ई रिक्शा चालक

खखरेरू/फतेहपुर थाना क्षेत्र में इन दिनों ई-रिक्शाओं की लापरवाही और अराजक संचालन सड़कों पर खतरा बन चुके हैं। तेज रफ्तार, ओवरलोडिंग और नाबालिग चालकों के कारण आम जनमानस सड़क पर निकलने से भी कतराने लगे हैं।

ताजा मामला नगर पंचायत खखरेरू का है, जहाँ आज दोपहर लगभग 2 बजे एक ओवरलोड ई-रिक्शा अचानक बीच सड़क पर पलट गया। गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। उस समय आसपास कई मोटरसाइकिल सवार एवं पैदल यात्री मौजूद थे।

सबसे चिंताजनक बात यह रही कि जिस स्थान पर रिक्शा पलटा, उससे कुछ ही दूरी पर एक इंटरमीडिएट विद्यालय स्थित है। यदि उस समय विद्यालय की छुट्टी होती, तो हादसा गंभीर रूप ले सकता था।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में ई-रिक्शा संचालन लगभग अनियंत्रित है।

कई रिक्शा नाबालिग या अत्यधिक उम्रदराज लोग चलाते हैं।

रक्षपालपुर चौराहे से लेकर नगर पंचायत क्षेत्र तक लगभग हर मोड़ पर ई-रिक्शाओं की भीड़ रहती है।

चौराहों पर बने यात्री प्रतीक्षा बूथ होते हुए भी ई-रिक्शा चालकों की अराजकता के कारण यात्री बाहर सड़क किनारे खड़े होकर वाहन का इंतजार करते हैं, जिससे हादसों की संभावना और बढ़ जाती है।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से ई-रिक्शा संचालन पर नियंत्रण, नाबालिग चालकों पर कार्रवाई और चौराहों पर व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

एचडीएफसी बैंक ग्रुप ने 'एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स- 2025' सफलतापूर्वक पूरा किया

(जीएनएस)।

मुंबई : एचडीएफसी बैंक ग्रुप ने 'एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स - 2025' के चौथे संस्करण को सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसमें छह सेक्टर के 10 विजेताओं और उभरती महिला फाउंडर्स के लिए दो स्पेशल रिकग्निशन अवॉर्ड्स की घोषणा की गई। एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स-2025 को एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी कैपिटल और एचडीएफसी एएमसी ने मिलकर आयोजन किया था, जिसमें ग्रुप की दूसरी कंपनियों - एचडीएफसी लाइफ, एचडीएफसी एर्गो, एचडीएफसी सिक्योरिटीज और एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने भारत के तेजी से बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम को सपोर्ट किया। इस एडिशन में देश के 290 से ज्यादा शहरों के 1,600+ स्टार्टअप्स ने रूचि दिखाई थी।

स्टार्टअप इकोसिस्टम को सपोर्ट करने के लिए बनाया गया, एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स स्टार्टअप्स के लिए एक रिकग्निशन प्लेटफॉर्म देता है और एचडीएफसी बैंक ग्रुप की कंपनियों को प्रोडक्ट्स और सॉल्यूशंस के जॉइंट डेवलपमेंट में शामिल होने और उन्हें एक्सप्लोर करने में मदद करता है। यह पहल शुरूआती स्टेज के स्टार्टअप्स को पहचान देती है, जो एंटरप्रेन्योरशिप के सफर को बढ़ावा देने के लिए इनोवेटिव सॉल्यूशंस बनाते हैं। इस साल की शुरूआत में एचडीएफसी बैंक क्यूएने ायु लैब्स में इन्वेस्टमेंट की घोषणा की, जो फुल-स्टैक एंड-टू-एंड क्वांटम-सेफ साइबर सिक्योरिटी प्लेटफॉर्म में अग्रणी है। क्यूऍनयू लैब्स क्यूऍनयू लैब्स को एचडीएफसी टेक इन्नोवेटर्स- 2024 में पहचान मिली थी। एचडीएफसी बैंक अपने सीएसआर प्रोग्राम परिवर्तन के जरिए स्टार्टअप्स को भी सपोर्ट करता है, जो देश भर के लीडिंग इनक्यूबेटर्स के

साथ काम करता है।

एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड (ब्रांच बैंकिंग, पेमेंट्स, ट्रेजरी, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, मार्केटिंग, वर्चुअल चैनल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर) आशीष पार्थसारथी ने कहा, ह्लआज यहां स्टार्टअप्स को पहचान देना और भारत की अगली पीढ़ी की कॉर्पोरेशन बनने की उनकी यात्रा में उनका सपोर्ट करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। एक बैंक के तौर पर, हम इकोसिस्टम को बेस्ट-इन-क्लास प्रोडक्ट सर्विसेज देने की लगातार कोशिश करते हैं। हमारे स्टार्टअप बिल्डअप प्रोग्राम ऑफरिंग सच में यूनिक हैं, जिनमें कस्टमाइज्ड करंट अकाउंट से लेकर कम से कम सात लोगों के लिए हेल्थ ग्रुप कवर, कमर्शियल कार्ड्स और वैल्यू-एडेड सर्विसेज शामिल हैं जो एफडीआई और ओडीआई ट्रांजैक्शन पर रेगुलेटरी रिपोर्टिंग और फाइलिंग को सपोर्ट करती हैं।ह्व

एचडीएफसी एएमसी के एमडी और सीईओ, नवनीत मुनोत ने कहा, ह्लआज इनोवेशन इंसानी तरक्की के हर पहलू, फाइनेंस और हेल्थकेयर से लेकर डीप टेक, स्पेस टेक्नोलॉजी और फ्रंटियर साइंस तक को बदल रहा है। एचडीएफसी बैंक ग्रुप में, हम खुद को भारत की इनोवेशन यात्रा में लंबे समय के पार्टनर के तौर पर देखते हैं, जो उन लोगों को सपोर्ट करते हैं जो सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं और संभावनाओं को बढ़ाते हैं। एचडीएफसी एएमसी में, हमारा मिशन देश की एंटरप्रेन्योरियल एनर्जी को हर भारतीय के लिए वेल्थ क्रिएशन में बदलना है।

एचडीएफसी कैपिटल के सीईओ विपुल रूंगटा ने कहा, ह्लइनोवेशन और टेक्नोलॉजी, दुनिया को बदलने के सबसे अहम तरीकों में से होंगे, जो वैल्यू चेन के हर स्टेज को नया आकार देंगे। हम नई टेक्नोलॉजी पर आधारित सॉल्यूशन और भविष्य के लिए तैयार बिजनेस मॉडल के लिए अपना कमिटमेंट और गहरा कर रहे हैं। इनोवेटर्स और इंडस्ट्री पार्टनर्स के साथ मिलकर, हम सार्थक तरक्की करने और भारत में दुनिया को बेहतर बनाने के अगले दौर में योगदान देने के लिए तैयार हैं।ह्व

पिछले साल तक, यह सालाना पहल प्रॉपटेक, फिनटेक, सस्टेनेबिलिटी टेक, कंज्यूमर टेक, और न्यू-एज टेक सेगमेंट के स्टार्टअप्स पर फोकस करती थी। इस साल प्रोग्राम ने देश बनाने में इसकी अहमियत को देखते हुए डिफेंस और स्पेस टेक स्टार्टअप्स के लिए एक और सेक्टर को शामिल करने के लिए अपना दायरा बढ़ाया है, साथ ही महिला एंटरप्रेन्योर्स के लिए एक खास अवॉर्ड भी दिया है। मुख्य स्पीकर्स में एचडीएफसी कैपिटल और एचडीएफसी एएमसी के चेयरमैन श्री दीपक पारेख और एचडीएफसी बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर श्री शशिधर जगदीशन का भाषण शामिल था। आशीष पार्थसारथी, ग्रुप हेड (ब्रांच बैंकिंग, पेमेंट्स, ट्रेजरी, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, मार्केटिंग, वर्चुअल चैनल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर, एचडीएफसी बैंक) श्री विपुल रूंगटा, सीईओ एचडीएफसी कैपिटल, श्री नवनीत मुनोट, एमडी और सीईओ, एचडीएफसी एएमसी दूसरे खास स्पीकर थे।

शहीद स्थल जाने वाली सड़क की उखड़ गई गिट्टियाँ

(जीएनएस)।

विकास खण्ड कसमण्डा क्षेत्र अन्तर्गत नेशनल हाइवे स्थित कारगिल युद्ध के महानायक परमवीर चक्र विजेत अमर सहीद कैप्टन मनोज कुमार पांडेय गेट से सहीद स्थल रूढ़ा समेत क्षेत्र के दर्जनो गांवो को नेशनल हाइवे से जोड़ने वाली मुख्य सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है तथा सड़क मे जगह जगह गिट्टियां उखण जाने से वाहन फिसल जाते है और राहगीर गिरकर चोटिल हो जाते है सड़क छतिग्रस्त होने के चलते विद्यालय आने जाने वाले छात्र छात्राओ के साथ साथ स्थानीय लोगो को आवागमन मे काफी दिक्कत होती है क्षेत्र के शर्वेश कुमार, तेजप्रकाश सिंह,अनुज मिश्रा,गुड्डू रावत, बैजनाथ सिंह ने सड़क मरम्मत करवाऐ जाने

की मांग की है

लखनऊ में विक्टोरिस कार की धमाकेदार मांग, वन अप मोटर्स से एक साथ निकली 11 गाड़ियां

● सुरक्षा और फीचर्स में नंबर-1, विक्टोरिस कार की रिकॉर्ड डिमांड

● तीन माह में छाई 'विक्टोरिस', आलमबाग वन अप मोटर्स से 11 कारों का फ्लैश मार्क-आउट

(जीएनएस)।

लखनऊः लखनऊ। लॉन्च के मात्र तीन माह के भीतर ही विक्टोरिस कार ने ऑटोमोबाइल बाजार में लखनऊ व उत्तर प्रदेश के मिड एसयूवी सेगमेंट में नंबर-1 स्थान प्राप्त कर अपनी सशक्त पहचान दर्ज करा दी है। बढ़ती लोकप्रियता और ग्राहकों के उत्साह के बीच रविवार को आलमबाग स्थित वन अप मोटर्स में एक साथ 11 गाड़ियों का फ्लैश मार्क-आउट किया गया, जो स्वयं में आकर्षक तथा उल्लेखनीय दृश्य रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ वन अप मोटर्स, आलमबाग के प्रबंध निदेशक यशवर्धन अग्रवाल, अध्यक्ष प्रशांत त्रिपाठी एवं उपाध्यक्ष मयंक शाही ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मौजूद ग्राहकों ने

नए मॉडल की उन्नत खूबियों की सराहना की।

यशवर्धन अग्रवाल ने बताया कि विक्टोरिस कार की शुरूआती कीमत 10.49 लाख रुपये निर्धारित की गई है। यह 28.65 किलोमीटर प्रति लीटर का प्रभावशाली माइलेज देती है। वाहन में भारत एनसीएपी व ग्लोबल एनसीएपी की 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग, लेवल-2 उन्नत चालक सहायता तकनीक, छह एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक विद ऑटो होल्ड, डॉल्बी एटमॉस युक्त इन्फिनिटी प्रीमियम 8-स्पीकर प्रणाली, 64 रंगों की कस्टम एम्बिएंट लाइटिंग, एलेक्सा ऑटो वॉयस एआई तथा 35 इंटीग्रेटेड एप्स के साथ 25.65 सेमी स्मार्टप्ले प्रो एक्स एचडी टचस्क्रीन जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

इसके अतिरिक्त, वाहन में जेस्चर कंट्रोल आधारित स्मार्ट पावर्ड टेलगेट, वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, ई-सीवीटी आधारित स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड तकनीक तथा पर्यावरण-अनुकूल नई अंडरबॉडी एस-सीएनजी तकनीक भी शामिल है, जो इसे अपने वर्ग में विशेष रूप से आकर्षक बनाती है।

कार्यक्रम में निदेशक अभिमन्यु मंगलम, सूर्यवर्द्धन अग्रवाल, सुमन्यु मंगलम, सहित वन अप मोटर्स के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। मौके पर पहुंचे ग्राहकों ने टेस्ट ड्राइव कर वाहन की उन्नत खूबियों का अनुभव किया और इसकी तकनीकी श्रेष्ठता की प्रशंसा की।

हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सवः दिनभर चाहें जहां रहियो हमार पिया लोक गीत पर मंत्रमुग्ध हुऐ श्रोता

मेरे नैना सावन भादो फिर भी मेरा मन प्यासा गाने पर भाव्या तिवारी ने मनमोहक प्रस्तुति ।

10 दिसंबर 2025:

(जीएनएस)।

लखनऊ । स्मृति उपवन में चल रहे माँ गायत्री जन सेवा संस्थान एवं नीशू वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वाधान में हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व सदस्य विधान परिषद,वरिष्ठ नेता भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश अरविंद त्रिपाठी 'गुड्डू' एवं आयोजक अरुण प्रताप सिंह ,रणवीर सिंह, गुंजन वर्मा और हेमू चौरसिया ने सांस्कृतिक संध्या का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर किया। सांस्कृतिक

कार्यक्रम में संस्कृति विभाग द्वारा सुरेश प्रसाद कुशवाहा भोजपुरी लोकगीत की प्रस्तुति ने समां बांधा। सर्वप्रथम देवी भजन कब ले रहिया आवे माई के रहिया.... की प्रस्तुति से श्रोता भक्ति भाव से विभोर हुए। का करें बुढ़िया बेचारी, पतोहिया जब खिलाड़ी निकलल.... से दर्शकों को आकर्षित किया। पटना से बैठा बुला दा .... दिनभर चाहें जहां रहियो हमार पिया हो.....जया ने भोजपुरी लोकगीत सुनाकर दर्शकों का मन मोहा। ढोलक पर सुंदर कश्यप पैड पर सूरज कुमार आर्गन पर समर्पित बैंजो पर शीलू मिश्रा ने संगत दी। इस प्रस्तुति के बाद मधुलिका हांबी क्लासेस की जोरदार प्रस्तुति रही जिसमें अविका सिंह,महक सिंह, कृतिका, समृद्धि, शैली, खुशी, गौरी मिश्रा, वर्तिका आदि ने अपनी अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीता।मेरे नैना सावन भादों... गीत से भाव्या तिवारी ने मनमोहक प्रस्तुति दिया बताते चलें कि भाव्या तिवारी आंखों से देख नहीं सकती पर श्रोताओं का दिल जीत लिया और तालिया से उनका स्वागत किया गया। मधुलिका शर्मा के संयोजन में यह प्रस्तुति हुई उपस्थिति में अनुराग शाह, शशिकांत शुक्ला एवं आकांक्षा अवस्थी रही। अगले क्रम में आर डी एस डांस अकैडमी - शेखर रघुवंशी के संयोजन में कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिसमें गणेश वंदना सर्वप्रथम अनुज तान्या अंजलि शिवानी आदि ने प्रस्तुत किया। नचले नचले.... दिव्या ने बहुत मनमोहक प्रस्तुति दी। हरमीत देवराज और तस्वीर का फातिमा ने गीत की प्रस्तुति दी वही रिशु अग्रहरि एवं अवंतिका कश्यप ने नृत्य प्रस्तुति दी।इस अवसर पर महोत्सव समिति के रोली सिंह चौहान,मोनालिसा, मनोज सिंह चौहान, रोली जयसवाल आदि उपस्थित रहे। मंच का संचालन प्रदीप शुक्ला द्वारा किया गया।

सेंट मैरी इंटर कॉलेज के रंगारंग स्पोर्ट्स डे में बच्चों ने बिखेरी चमक

(जीएनएस)।

लखनऊ। चौक स्टेडियम में सेंट मैरी पब्लिक इंटर कॉलेज के तीन दिवसीय स्पोर्ट्स डे, इंटर हाउस ओलंपिक एवं पी.टी. डिस्प्ले 2025 का भव्य समापन बुधवार को हुआ। मुख्य अतिथि अर्पणा बिष्ट यादव,एमएलसी पवन सिंह चौहान सहित कई गणमान्य हस्तियों की मौजूदगी में कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई।विद्यार्थियों ने अनुशासित परेड,योग, लेजर फॉर्मेशन और सामूहिक व्यायाम से सभी का मन मोह लिया। बॉक्सिंग,कबड्डी, खो-खो, ताइक्वांडो और वॉलीबॉल समेत कई प्रतियोगिताओं में बच्चों ने शानदार

प्रदर्शन कर तालियाँ बटोरीं।विद्यालय प्रबंधक मोहम्मद आमिर सिद्दीकी ने बताया कि सैकड़ों छात्रों की भागीदारी ने कार्यक्रम को खास बनाया। अतिथियों ने विद्यालय प्रबंधन,शिक्षकों और छात्रों की सराहना करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह का समापन आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

लेनोवो ने लखनऊ में अपना नया एआई-आधारित कंज्यूमर पोर्टफोलियो पेश किया

योगा, लेजियन और नए टैबलेट्स के साथ कंपनी ने ऐसे स्मार्ट डिवाइस प्रदर्शित किए, जो क्रिएटर्स और गेमर्स की जरूरतों को नए अंदाज में पूरा करते हैं

(जीएनएस)।

लखनऊ। ग्लोबल टेक्नोलॉजी लीडर लेनोवो ने लखनऊ में अपने नए एआई-संचालित कंज्यूमर डिवाइस पोर्टफोलियो का प्रदर्शन किया। इस शोकेस में प्रीमियम एआई पीसी, इमर्सिव टैबलेट्स और अगली पीढ़ी के गेमिंग सिस्टम प्रदर्शित किए गए। इस पहल के माध्यम से कंपनी ने उत्तर प्रदेश के उपभोक्ताओं के लिए उन्नत और एआई तकनीक को अधिक सुलभ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ किया। इस इवेंट का मुख्य आकर्षण था योगा स्लिम 7 ऑरा एडिशन — एक एआई पीसी जिसे लेनोवो ने इंटेल के साथ मिलकर तैयार किया है। यह डिवाइस प्रीमियम डिजाइन को ऑन-डिवाइस एआई तकनीक के साथ जोड़ता है, जो उपयोगकर्ता की जरूरतों के अनुसार अपने-आप प्रदर्शन को समायोजित करता है। यह प्रोफेशनल्स, क्रिएटर्स, विद्यार्थियों और मल्टीटास्कर्स के लिए सहज और स्मार्ट अनुभव प्रदान करता है और बदलती डिजिटल जरूरतों के अनुरूप है।

नए लेगियॉन जेन 10 लाइनअप — जिसमें लेगियॉन प्रो 7आई, प्रो 5आई 7आई और 5 आई शामिल हैं — को गेमर्स और क्रिएटर्स दोनों के लिए डिजाइन किया गया है। इनमें इंटेल कोर अल्ट्रा 9 275 एच एक्स प्रोसेसर और एनविडिया जीफोर्स आरटीएक्स 5090 24 जीबी ग्राफिक्स तक का विकल्प उपलब्ध है। लेनोवो के एल ए3 + एवं ए1 एआई चिप्स सिस्टम को रियल-टाइम में ऑप्टिमाइज करते हैं, जिससे उच्च फ्रेम रेट, कम लेटेंसी और स्मूद गेमिंग अनुभव सुनिश्चित करता है। अपने गेमिंग इकोसिस्टम का विस्तार करते हुए लेनोवो ने एवं ओ क्यू जेन 10 सीरीज भी प्रदर्शित की, जिसे विशेष रूप से नए और उभरते गेमर्स को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इंटेल और एएमडी के नवीनतम प्रोसेसर, एनविडिया आरटीएक्स ग्राफिक्स, एआई-सक्षम गेमिंग फीचर्स और मजबूत थर्मल डिजाइन इसे गेमिंग की दुनिया में कदम रखने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए एक भरोसेमंद विकल्प बनाते हैं। लेनोवो ने आइडिया टैब प्रो और योगा टैब प्लस के साथ अपने टैबलेट पोर्टफोलियो को और मजबूत किया है। यह श्रृंखला उन उपयोगकर्ताओं के लिए डिजाइन की गई है जिन्हें शक्तिशाली, लेकिन हल्के और पोर्टेबल डिवाइसों की आवश्यकता होती है। आइडिया टैब प्रो, मीडिया टेक डायमेंसिटी 8300 प्रोसेसर से सुसज्जित है, जो तेज मल्टीटास्किंग, एआई-सक्षम उत्पादकता और विभिन्न डिवाइसों के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करता है। वहीं योगा टैब प्लस —लेनोवो का सबसे उन्नत एंड्रॉयड टैबलेट— लेनोवो एआई नॉउ तकनीक, दमदार ऑडियो-वीडियो अनुभव और इसके सिग्नेचर किक-स्टैंड डिजाइन के साथ आता है, जिससे यह सीखने, काम और मनोरंजन के लिए एक बहुउद्देश्यीय विकल्प बन जाता है।

लेनोवो इंडिया के नॉर्थ और ईस्ट - कंज्यूमर बिजनेस के सेल्स हेड, राघवेन्द्र अरावीती ने कहा, ह्लहमारा नया एआई-संचालित पोर्टफोलियो उपयोगकर्ताओं के डिवाइस अनुभव को नए स्तर तक ले जाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है—चाहे वे क्रिएटर्स हों, छात्र हों या गेमर्स। लखनऊ में इन नवाचारों का प्रदर्शन हमारे क्षेत्रीय विस्तार और उत्तर प्रदेश में अधिक उपभोक्ताओं तक स्मार्ट तकनीक उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।ह्व उत्तर प्रदेश में मजबूत रिटेल उपस्थिति के साथ लेनोवो ने पूरे क्षेत्र में अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए 50+ स्टोर्स तक पहुंच बनाई है—जो क्षेत्रीय वृद्धि और पहुंच बढ़ाने की दिशा में उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। चुनिंदा शहरों में ग्राहक एक्सप्रेस डिलीवरी (सिर्फ चार घंटे में) का लाभ उठा सकते हैं।